Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

इन्दौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

इन्दौर समाचार

वर्ष 85
अंक-314
इन्दौर, बुधवार
4 फरवरी 2026
पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

लोकसभा में राहुल के भाषण पर लगातार दूसरे दिन हंगामा

पेपर उछालने वाले 8 विपक्षी सांसद निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा- मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे।

इस बीच हंगामा तेज होता गया। राहुल ने सोमवार को भी 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश की थी। आज हंगामा बढ़ने पर स्पीकर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राहुल को रोका और दूसरी पार्टियों के सांसदों को बोलने को कहा, लेकिन राहुल के समर्थन में सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल, अस्ष्ट सांसद शताब्दी रॉय और छ्स्ब्य सांसद डी एम कातिर आनंद ने बोलने से इनकार कर दिया। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते वेल में पहुंच गए। स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उछाले। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके

बाद पीठासीन दिलीप सैकिया ने 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया। सदन की कार्यवाही में बाधा पहुंचानाः लोकसभा स्पीकर उस सांसद के नाम का ऐलान कर सकते हैं, जिसने आसन की मर्यादा तोड़ी हो या नियमों का उल्लंघन किया हो और जानबूझकर सदन की कार्यवाही में बाधा पहुंचाई हो।जब स्पीकर ऐसे सांसदों के नाम का ऐलान करते हैं, तो वह सदन के पटल पर एक प्रस्ताव रखते हैं। प्रस्ताव में हंगामा करने वाले सांसद का नाम लेते हुए उसे सस्पेंड करने की बात कही जाती है।इसमें सस्पेंशन की अवधि का जिक्र होता है। यह अवधि अधिकतम सत्र के खत्म होने तक हो सकती है। सदन चाहे तो वह किसी भी समय इस प्रस्ताव को रद्द करने का आग्रह भी कर सकता है। अब जानते हैं कि नियम 374ए क्या कहता हैः 5 दिसंबर 2001 को रूल बुक में एक और नियम जोड़ा गया है। इसे ही रूल 374ए कहा जाता है। यदि कोई सांसद स्पीकर के आसन के निकट आकर या सभा में नारे लगाकर या अन्य प्रकार से कार्यवाही में बाधा डालकर जानबूझकर नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर इस नियम के तहत कार्रवाई की जाती है। सस्पेंशन के दौरान सांसदों को सैलरी मिलती हैः सदन में व्यवधान पैदा करने के लिए सस्पेंड किए गए सांसद को पूरा वेतन मिलता है। केंद्र में लगातार सरकारों द्वारा 'काम नहीं, वेतन नहीं' की नीति दशकों से विचाराधीन है। हालांकि इसे अभी तक पेश नहीं किया गया है।

कोयला खनन घोटाला मामले में

कोलकाता सहित 12 ठिकानों पर ईडी का छापा

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय एजेंसी की टीमें कोलकाता समेत राज्य के 12 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जिसके तार पड़ोसी राज्य झारखंड से भी जुड़े हैं। इससे पहले इस मामले के सिलसिले में झारखंड में भी बड़े लेवल पर छापेमारी की गई थी, जहां कोयला माफियाओं के सिंडिकेट और वित्तीय लेन-देन के अहम सुराग मिले थे। ईडी की जांच मुख्य रूप से अवैध रूप से खनन किए गए कोयले की चोरी, परिवहन और उसके जरिए कमाए गए काले धन को सफेद करने के नेटवर्क पर केंद्रित है। बता दें यह मामला आई-पैक और प्रतीक जैन से जुड़े हालिया कोयला तस्करी मामले से पूरी तरह अलग है। ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि कोयला खनन का यह अवैध कारोबार केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है। झारखंड में हुई पिछली छापेमारी के दौरान एजेंसी को ऐसे दस्तावेज़ मिले थे, जो पश्चिम बंगाल के कई व्यापारियों और बिचौलियों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। बंगाल में चल रही यह छापेमारी उस कोयला तस्करी मामले से अलग है, जिसमें हाल ही में राजनीतिक सलाहकार फर्म आई-पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के ठिकानों की तलाशी ली गई थी।

शिवपुरी में बिजली गिरी, किसान जिंदा जला

भोपाल । वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से मध्य प्रदेश में ओले, बिजली, बारिश और आंधी का दौर जारी है। बीती रात से मंगलवार सुबह तक प्रदेश के कई जिलों में ओले-बारिश का दौर जारी रहा। शिवपुरी में झोपड़ी पर बिजली गिरने से किसान जिंदा जल गया। ग्वालियर और मंदसौर जिले में ओले गिरे, जबकि भोपाल, भिंड, छतरपुर, राजगढ़, आगर-मालवा और गुना में बारिश हुई। इससे पहले सुबह रायसेन में ओस की बूंदें जम गईं। ग्वालियर में ओले गिरे, जिससे फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को भोपाल, ग्वालियर, रीवा समेत 20 जिलों में मावठा गिरने का अलर्ट जारी किया है।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% किया

ट्रम्प बोले- रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत, वेनेजुएला से लेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से जिस ट्रेड डील का इंतजार था, सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उसकी घोषणा कर दी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% कर दिया है।

ट्रम्प ने अप्रैल में 25% रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा) लगाया था और रूस से तेल खरीदने के कारण अगस्त में 25% पेनल्टी का ऐलान किया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया था। अब व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी ANI को बताया कि भारत पर सिर्फ टैरिफ 18% ही लगेगा। अमेरिका रूसी तेल खरीदने के कारण लगा 25% टैरिफ हटा देगा। ट्रम्प ने सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके बाद रात करीब 10:30 बजे ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रेड डील की घोषणा की। ट्रम्प ने दावा किया कि मोदी रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर राजी हो गए हैं। ट्रम्प के मुताबिक, जरूरत पड़ी तो भारत वेनेजुएला से तेल लेगा। भारत 'बाय अमेरिकन' नीति के तहत अमेरिका से 46 लाख करोड़ रुपए (500 अरब डॉलर) से अधिक का सामान खरीदेगा। वहीं, ट्रम्प के एलान के बाद पीएम ने ङ्ग पर लिखा- भारत के 1.4 अरब लोगों की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया।

हिमाचल परिवहन की बस खाई में गिरी, 3 की मौत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के कवानू क्षेत्र में आज सुबह नेरवा-पांवटा साहिब मार्ग पर हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) की बस हादसे का शिकार हो गई। इसमें 4 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 10 यात्रियों की हालत नाजुक बनी हुई है। इस हादसे में कुल 33 यात्री घायल हुए है। घायलों का उत्तराखंड के विकासनगर, देहरादून और हिमाचल के पांवटा साहिब अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सूचना के अनुसार- नेरवा डिपो की बस नंबर HP-66-2588 सुबह करीब 9:30 बजे नेरवा से पांवटा साहिब जा रही थी। इस दौरान- हरिपुर-कोटी-मीनस सड़क पर सुबह करीब 10 बजे कवानू में दूसरी गाड़ी को पास देते समय बस अनियंत्रित होकर 100 मीटर गहरे शूदोई खड्ड में जा गिरी। इसके बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बस के कंडक्टर ने फोन से पुलिस को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद, हिमाचल और उत्तराखंड पुलिस, एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

मणिपुर में सरकार बनाने की भागदौड़ तेज

कई बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे

पार्टी ने तरुण चुक को बनाया पर्यवेक्षक, मैतेई समुदाय का बन सकता है सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी में मणिपुर से लेकर दिल्ली तक भागदौड़ तेज हो गई है। मणिपुर के 20 से ज्यादा बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे थे और अब पार्टी ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है। राज्य में अगले साल राष्ट्रपति शासन खत्म होने वाला है और उससे पहले पार्टी के नेता चाहते हैं कि सरकार बना ली जाए। सोमवार को बीजेपी ने मणिपुर में पर्यवेक्षक के तौर पर तरुण चुग को नियुक्त किया है, जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। अब किसी भी दिन मणिपुर में एनडीए विधायकों की बैठक हो सकती है

जिसमें नेता का चुनाव हो सकता है। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि नई सरकार में राज्य में एक डिप्टी सीएम भी होगा। मैतेई समुदाय से सीएम बनने की संभावना है तो वहीं कुकी समुदाय के किसी नेता को डिप्टी सीएम के तौर पर जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसा इसलिए ताकि राज्य में यह संदेश जाए कि सरकार सभी को साथ लेकर चल रही है। बता दें बीते सालों में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच तनाव देखा गया था और भीषण हिंसा हुई थी। इसी स्थिति से बचाव के लिए बीजेपी अब कुकी समाज से एक डिप्टी सीएम बना सकती है। बीरेन सिंह की सरकार में असेंबली स्पीकर रहे सत्यब्रत सिंह और पूर्व मंत्री टीएच बिस्वजीत सिंह और के गोविंद दास को मौका मिल सकता है। ये सभी नेता मैतेई समुदाय के ही हैं। दरअसल बीजेपी के अंदर भी तनाव की स्थिति है। कुकी विधायकों का कहना है कि उनके समुदाय का दबाव है। ऐसी स्थिति में यदि कुकी समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो उनके लिए सरकार का हिस्सा बनना मुश्किल होगा।

ईरान का मल्टी लेयर सुरक्षा कवच देख पेंटागन के रणनीतिकारों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका का एफ1-15 मिडिल ईस्ट लौट आया है। जॉर्डन में इसे तैनात किया गया था और एफ15 ने ईरानी ड्रोन को गिराया था। इसके बाद अब यह वापस आ गया। 15 स्ट्राइक ईगल मिडिल ईस्ट में फिर से तैनात किया। अमेरिका द्वारा ईरान पर संभावित हमले की कारवाही के बीच ईरान ने अपनी हवाई सीमा को और ज्यादा सुरक्षित कर लिया है। ईरान ने अपने एयर डिफेंस को दुनिया के सबसे सघन और आधुनिक रक्षा नेटवर्क में तब्दील कर दिया है। बता दें जून 2025 के 12 दिन तक चले संघर्ष में अपनी कमजोरियों को भांपने के बाद तेहरान ने इस बार रूस और अपनी स्वदेशी तकनीक के दम पर एक ऐसा मल्टी लेयर सुरक्षा कवच तैयार किया है जिसने पेंटागन के रणनीतिकारों को चिंता में डाल दिया है। ईरान ने ना सिर्फ रूसी एयर डिफेंस सिस्टम बल्कि अपने स्वदेशी वायु रक्षा तंत्र को भी मजबूत किया है। ईरान ने एक दो नहीं बल्कि पांच लेयर्स में डिफेंस सिस्टम्स तैनात किए हैं जो उसे एक अभैद्य सुरक्षा देते हैं।

होते-होते बच गया अहमदाबाद जैसा हादसा

पायलट ने फ्यूल स्विच में तकनीकी खराबी को पकड़ा

बेंगलुरु (एजेंसी)। एयर इंडिया की फ्लाइट के फ्यूल स्विच में तकनीकी खराबी होने के बाद अहमदाबाद जैसा ही हादसा होते-होते बच गया। दरअसल पायलट की सूझ-बूझ की वजह से खराबी की जानकारी समय पर मिल गई। यह विमान लंदन से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाला था। इसके बाद एयर इंडिया ने अपने बोइंग बेड़े में फ्यूल स्विच की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि 12 जून 2025 को अहमदाबाद में एयर इंडिया का एआई-171 विमान क्रैश हुआ था। बताया गया था कि इंजन को फ्यूल मिलना बंद हो गया था और इसकारण उड़ान भरने के कुछ सेकंड्स बात ही विमान क्रैश हो गया। हादसे में करीब 241 लोगों की मौत हुई थी। जानकारी के मुताबिक जब पायलट ने विमान का इंजन स्टार्ट और

फ्यूल स्विच को रन पोजीशन में डाला, तब अपने आप कटऑफ पोजीशन में चला गया यानी फ्यूल बंद हुआ। पायलट ने तुरंत इसकी जानकारी देकर फिर एयर इंडिया ने 787 ड्रीमलाइन विमानों को ग्राउंड किया। पिछले साल जून में हुए हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में ईंधन की आपूर्ति बंद होने का उल्लेख था। एयर इंडिया के बयान में बताया गया हैं कि यह प्रारंभिक जानकारी मिलने के बाद, हम उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है ।

रूपया में 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त

डॉलर के मुकाबले रुपया 130 पैसे मजबूत, 90.20 पर आया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त के साथ 90.20 के स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील के ऐलान के कारण हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले 2025 में रुपया करीब 5 प्रतिशत तक टूटकर एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया था। जनवरी 2026 में ही इसमें 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार निकासी ने रुपए पर दबाव बना रखा था। हालांकि, मंगलवार को रुपए ने वापसी करते हुए 91.49 के पिछले क्लोज के मुकाबले 130 पैसे की मजबूती दर्ज की है। रुपए में आई इस तेजी के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा, भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपए) की एनर्जी, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस ऐलान ने उस अनिश्चितता को खत्म कर दिया है जो पिछले साल अगस्त में अमेरिका के टैरिफ के बाद से बनी हुई थी। एक्स्पट्र्स का मानना है कि रुपए में यह तेजी अभी और जारी रह सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और वॉट्सएप को फटकारा, भारत के नियम नहीं मानने तुम्हें ...

देश छोड़कर चले जाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और वॉट्सएप को फटकार लगाकर कहा है कि कोई भी कंपनी डेटा शेयरिंग के नाम पर इस तरह से लोगों के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकती है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर भारत के नियम नहीं मानने हैं, तब तुम्हें देश छोड़कर निकल जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म मेटा और वॉट्सएप ने कॉम्पटीशन कमिशन ऑफ इंडिया के उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है जिसमें उनपर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जयमाला बागची, जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि 9 फरवरी को मामले में अंतरिम आदेश पारित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से

रक्षा की जाती है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों की गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की गई हैं कि लोगों उन्हें समझ ही नहीं पाएंगे और ये कंपनियां उनका डेटा चोरी करती रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों को उन उपभोक्ताओं का डेटा साझा करने की अनुमति नहीं देगा जिनके साथ असमान समझौते किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की याचिकाओं के मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पक्षकार बनाकर कि वह नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगा।